



Total No. of Printed Pages – 2

CCSME21

832219

PAPER / पत्र – II

NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 11

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150

समय : 3 घण्टे

निर्देश :

- (i) कुल छव ठो सवाल कर जबाब देउ । प्रश्न सं. 1 आउर 5 अनिवार्य हय ।
- (ii) हरेक खंड से 1 आउर 5 अनिवार्य सवाल कर अलावे कम से कम एक ठो सवाल कर जबाब एक खंड से देवेक जरूरी हय ।

खंड – क

1. हेंठे देल सवालमन में से कोनो पाँच ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु । (7 × 5 = 35)
 - (क) नागपुरी भासा कर उद्भव कर बारे में बिदुवानमनक मत इया बिचार के बताउ ।
 - (ख) नागपुरी में भूतकाल कर भेदमन के उदाहरन संगे लिखु ।
 - (ग) 'अब्यय' का के कहयँना ? नागपुरी कर अब्ययमन के उदाहरन संगे लिखु ।
 - (घ) नागपुरी में कय किसिम कर वाक्य पावल जायला ? उदाहरन संगे लिखु ।
 - (ङ) नीति से जुड़ल सात ठो नागपुरी कहाउत के उकर अरथ सहित लिखु ।
 - (च) नागपुरी कर उदासी एग कर बारे में लिखु ।
 - (छ) नागपुरी कर गीतमनक रचना-विधान आउर छंद कर बिसेसतामनक बारे में लिखु ।
2. नागपुरी गीत-कविता में आधुनिकता कर कारक तत्वमन के उजागर करु । 20
3. नागपुरी में मौखिक परंपरा से आवल बालगीतमनक बारे में लिखु । 20
4. नागपुरी कहनी कर उद्भव आउर विकास के सिलसिलेवार ढंग से लिखु । 20

CCSME21 (11)



खंड - ख

5. हेंठे देल सवालमन में से कोनो पाँच सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु । (7 × 5 = 35)
- (क) नागपुरी कवि घासीराम कर किरितिमनक चरचा आपन सबद में करु ।
- (ख) कवि हनुमान सिंह कर कोनो एक ठो गीत कर आसय लिखु ।
- (ग) शारदा प्र. शर्मा कर कोनो एक ठो किरिति कर बारे में चरचा करु ।
- (घ) कृष्ण प्र. साहु 'कलाधर इया मधु मंसुरी' 'हँसमुख' कर कोनो एक ठो गीत कर भाव के लिखु ।
- (ङ) नागपुरी गीतमन में बंगला कर परभाव कर बारे में लिखु ।
- (च) सरहुल परब कर महातम के उजागर करु ।
- (छ) हेंठे देल गद्यांस कर नागपुरी में अनुवाद करु ।

आरम्भ में नागपुरी साहित्य लोकगीतों एवं कथा - कहावतों के रूप में रहा होगा, क्योंकि भाषा-साहित्य के विकास का यह अनिवार्य चरण है। इसकी मधुर धारा आज भी तरल - तरंगित है। यही स्वच्छन्द धारा कालक्रम से काव्यगुण मण्डित होकर शिष्ट साहित्य के धरातल पर उतरी होगी। नागपुरी साहित्य को इस धरातल पर लाने का अधिकांश श्रेय भक्ति - चेतना को रहा होगा, प्रास साहित्य से ऐसा ही प्रतीत होता है। जो भी हो, किन्तु इस धरातल पर आकर नागपुरी तीर्थरूप हो गई।

6. नागपुरी कवि कंचन कर काव्य - सुन्दरइ के आपन सबद में लिखु । 20
7. डॉ. बी.पी. केशरी कर रचनामनक एगो सूची बनाय के कोनो एक ठो नागपुरी रचना (किरिति) कर समीक्षा करु । 20
8. 'सहिया प्रथा' इया 'झारखंड कर जलप्रपात' (घाघ) ऊपरे एगो सुन्दर निबन्ध लिखु । 20